अध्याय – 02 || Chapter - 02

ब्रिटिश का भारत में साम्राज्य विस्तार || Expansion of British Empire in India

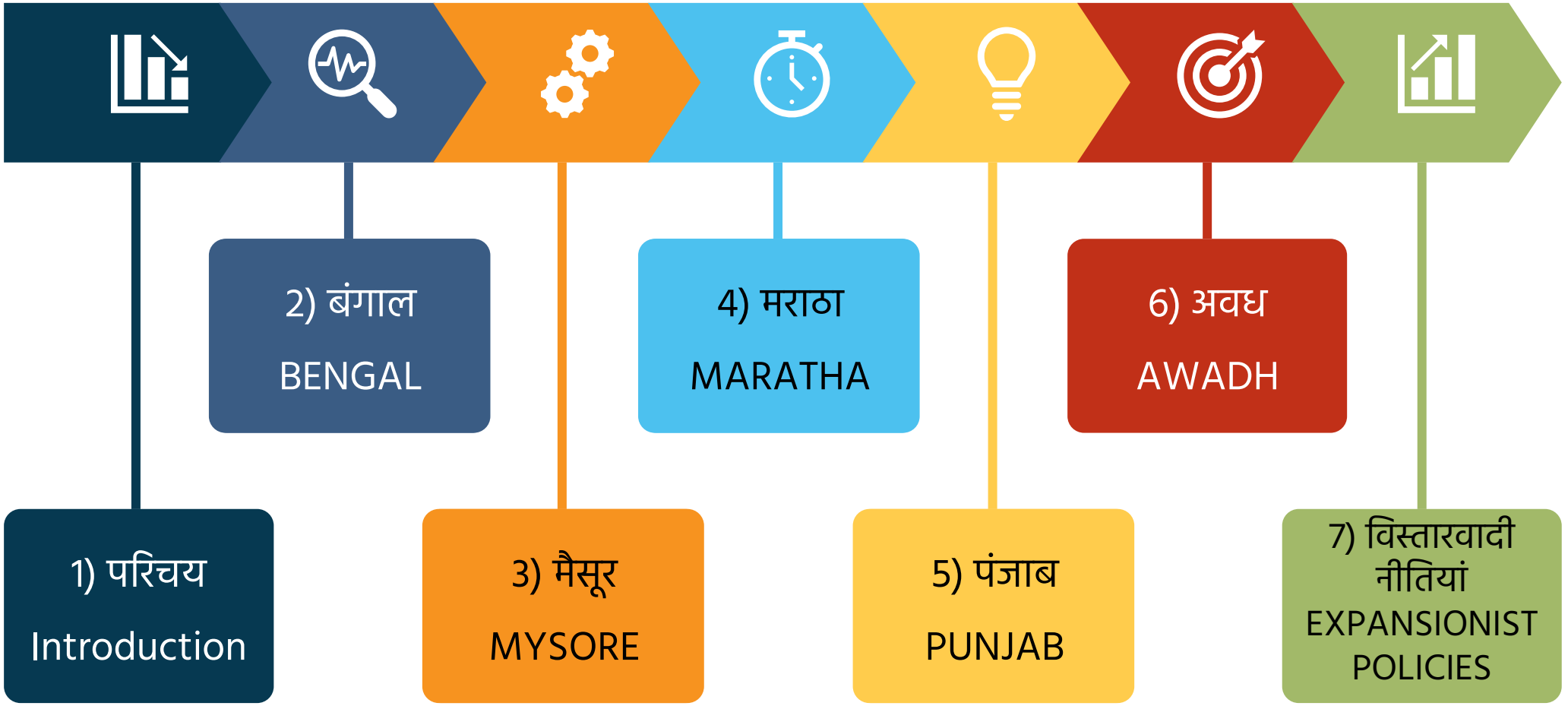

Chapter - 02

Expansion of British Empire in India

1) Introduction

2) BENGAL

3) MYSORE

4) MARATHA

5) PUNJAB

6) AWADH

7) EXPANSIONIST POLICIES

1) परिचय || Introduction

- 18वीं सदी में मुगल साम्राज्य के पतन के बाद निम्नलिखित स्वतंत्र राज्यों का उदय हुआ :-
    1) बंगाल - मुर्शिद कुली खां
    2) अवध - सआदत खां
    3) हैदराबाद - निजाम मुल्क आसफ शाफ
- मुगल विघटन के बाद शक्तियों का पुनः उत्थान :-
    1) मराठा - शिवाजी व पेशवा
    2) पंजाब / सिख - रणजीत सिंह
    3) राजपूत राज्य
- मुगल नियंत्रण में कमी से बनने वाले राज्य :-
    1) रुहेलखंड - वीर दाऊद व अली मोहम्मद खां
    2) मैसूर - हैदर अली
    3) कर्नाटक - सादातुल्लाह खां

1) Introduction

- After the decline of the Mughal empire in the 18th century following independent states emerged:-
    1) Bengal – Murshid Quli Khan
    2) Awadh - Saadat Khan
    3) Hyderabad – Nizam Mulk Asaf Shah
- Flourishing of powers after Mughal disintegration:-
    1) Maratha - Shivaji and Peshwa
    2) Punjab / Sikh - Ranjit Singh
    3) Rajput kingdom
- States formed due to lack of Mughal control:-
    1) Rohilkhand - Veer Dawood and Ali Mohammad Khan
    2) Mysore - Hyder Ali
    3) Karnataka - Sadatullah Khan

1767
CHINA
PUNJAB
Brahmaputra R.
Indus R.
Delhi
Agra 1602
RAJPUTANA
Ganges R.
Yamuna R.
BIHAR
BENGAL
Battle of Plassey 1757
Ahmadabad 1612
MARATHA CONFEDERACY
Calcutta 1690
Bombay 1661
NORTHERN CIRCARS
Bay of Bengal
Bhatkal 1638
Madras 1639
1602 Date of acquisition
1805
CHINA
PUNJAB
Brahmaputra R.
Indus R.
Delhi
RAJPUTANA
Agra
Ganges R.
BIHAR
BENGAL
MARATHA CONFEDERACY
Calcutta
Bombay
HYDERABAD
Bay of Bengal
Madras
CEYLON
Indian states allied with Great Britain
1858
CHINA
KASHMIR
PUNJAB
Brahmaputra R.
Indus R.
Delhi
Agra
RAJPUTANA
Ganges R.
BENGAL
Calcutta
BURMA
Bombay
HYDERABAD
SIAM
Arabian Sea
Bay of Bengal
Madras
0 600 MILES
0 600 KILOMETERS
All maps shown at same scale
British Empire
Dependent states

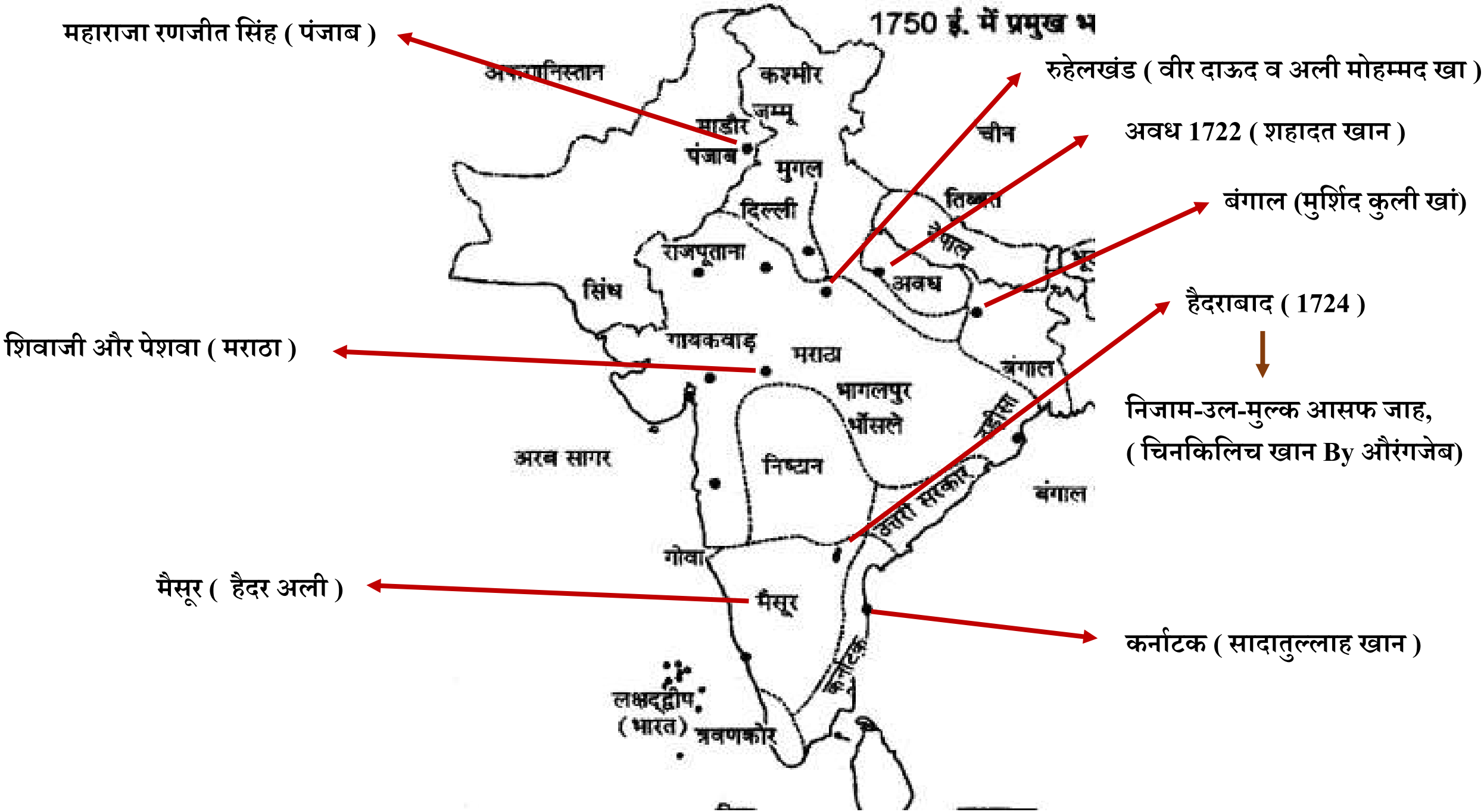

1750 ई. में प्रमुख भ
महाराजा रणजीत सिंह (पंजाब)
कश्मीर
जम्मू
लाहौर
पंजाब
मुगल
चीन
दिल्ली
राजपूताना
सिंध
अवध
रुहेलखंड (वीर दाऊद व अली मोहम्मद खा)
अवध 1722 (शहादत खान)
बंगाल (मुर्शिद कुली खां)
हैदराबाद (1724)
निजाम-उल-मुल्क आसफ जाह,
(चिनकिलिच खान By औरंगजेब)
शिवाजी और पेशवा (मराठा)
गायकवाड़
मराठा
बंगाल
भौंसले
अरब सागर
उत्तरी सरकार
बंगाल
गोवा
मैसूर (हैदर अली)
मैसूर
कर्नाटक (सादातुल्लाह खान)
कर्नाटक
लक्षद्वीप
(भारत)
त्रावणकोर

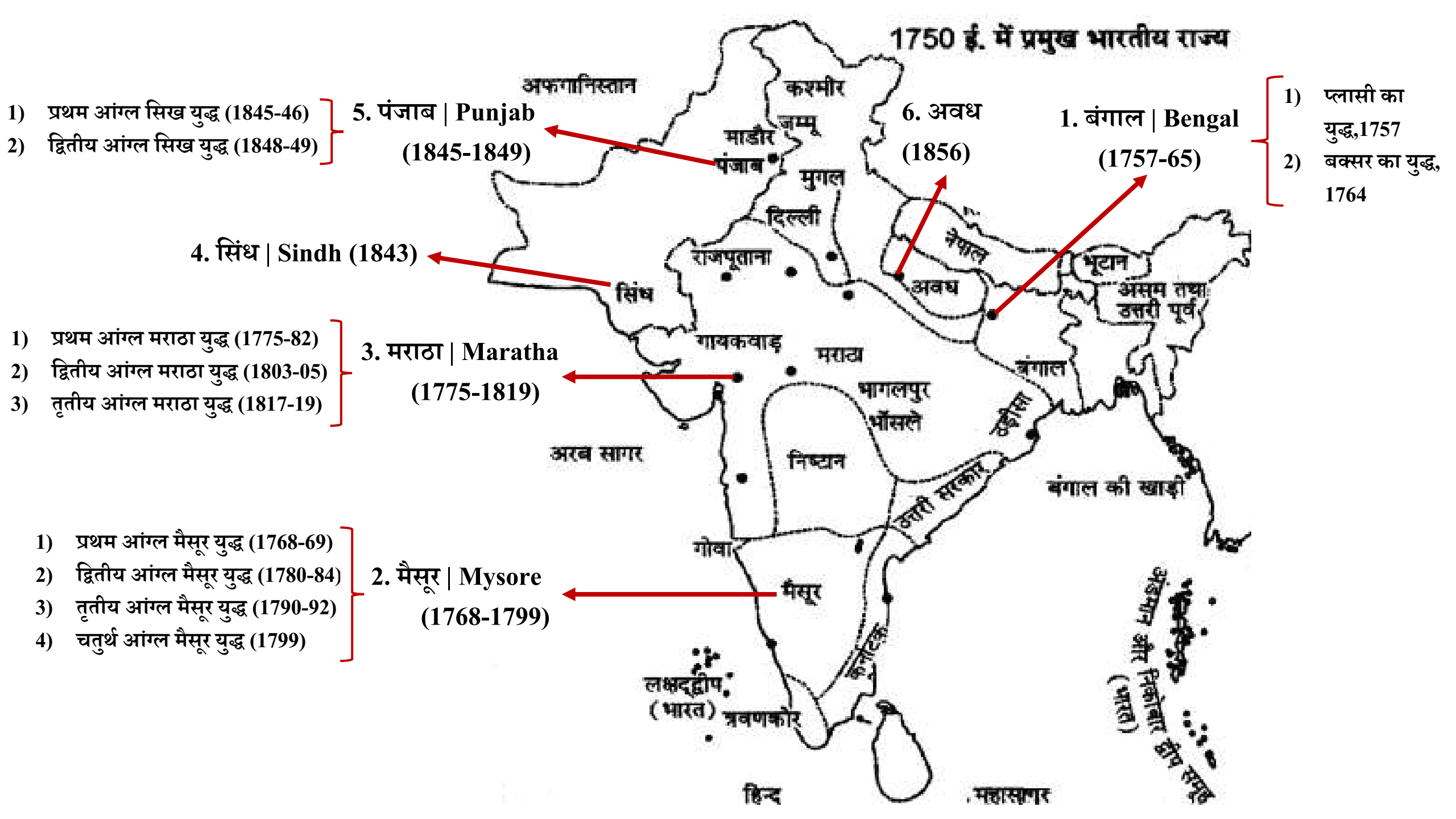

1. बंगाल | Bengal (1757-65)

1) प्लासी का युद्ध,1757
2) बक्सर का युद्ध, 1764

2. मैसूर | Mysore (1768-1799)

1) प्रथम आंग्ल मैसूर युद्ध (1768-69)
2) द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1780-84)
3) तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1790-92)
4) चतुर्थ आंग्ल मैसूर युद्ध (1799)

3. मराठा | Maratha (1775-1819)

1) प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध (1775-82)
2) द्वितीय आंग्ल मराठा युद्ध (1803-05)
3) तृतीय आंग्ल मराठा युद्ध (1817-19)

4. सिंध | Sindh (1843)

5. पंजाब | Punjab (1845-1849)

1) प्रथम आंग्ल सिख युद्ध (1845-46)
2) द्वितीय आंग्ल सिख युद्ध (1848-49)

6. अवध (1856)

2) बंगाल || Bengal

10) महत्वपूर्ण प्रश्न व तथ्य

9) रॉबर्ट क्लाइव का मूल्यांकन

8) बंगाल में द्वैध शासन

7) बक्सर का युद्ध

6) प्लासी के युद्ध के बाद का घटनाक्रम

1) परिचय

2) बंगाल का प्रशासन

3) बंगाल के प्रमुख नबाव

4) अंग्रेजों का षड्यंत्र

5) प्लासी का युद्ध (23 जून 1757)

2) Bengal

1) Introduction

2) Administration of Bengal

3) Major Nawab of Bengal

4) British conspiracy

5) Battle of Plassey (23 June 1757)

6) Events after the Battle of Plassey

7) Battle of Buxar

8) Diarchy in Bengal

9) Robert Clive's Appraisal

10) Important questions & facts

1) परिचय

बंगाल (बंगाल+बिहार+उड़ीसा) मध्यकालीन भारत में मुगल प्रांत होने के साथ-साथ निम्नलिखित कारणों से अत्याधिक समृद्ध रहा है

- अत्याधिक उपजाऊ क्षेत्र - शोरा, चावल, कपास, नील इत्यादि वाणिज्यिक फसलों का उत्पादन
- उत्कृष्ट नौपरिवहन - ब्रिटेन को एशिया से होने वाले कुल उत्पादन का 60% बंगाल से जाता था
- क्षेत्रीय शक्तियों जैसे - मराठा, जाट तथा सीमावर्ती युद्धों जैसे नादिरशाह, अब्दाली से असंघर्षरत
- उन्नत वस्त्र व्यापार तथा कारीगर

उपरोक्त कारणों के चलते अंग्रेजों ने बंगाल को अपना केंद्र बनाकर वहां आधुनिक प्रशासन तथा शिक्षा की नींव डाली जिससे बंगाल के मध्यम वर्ग ने प्रेरणा लेकर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का आधार तैयार किया

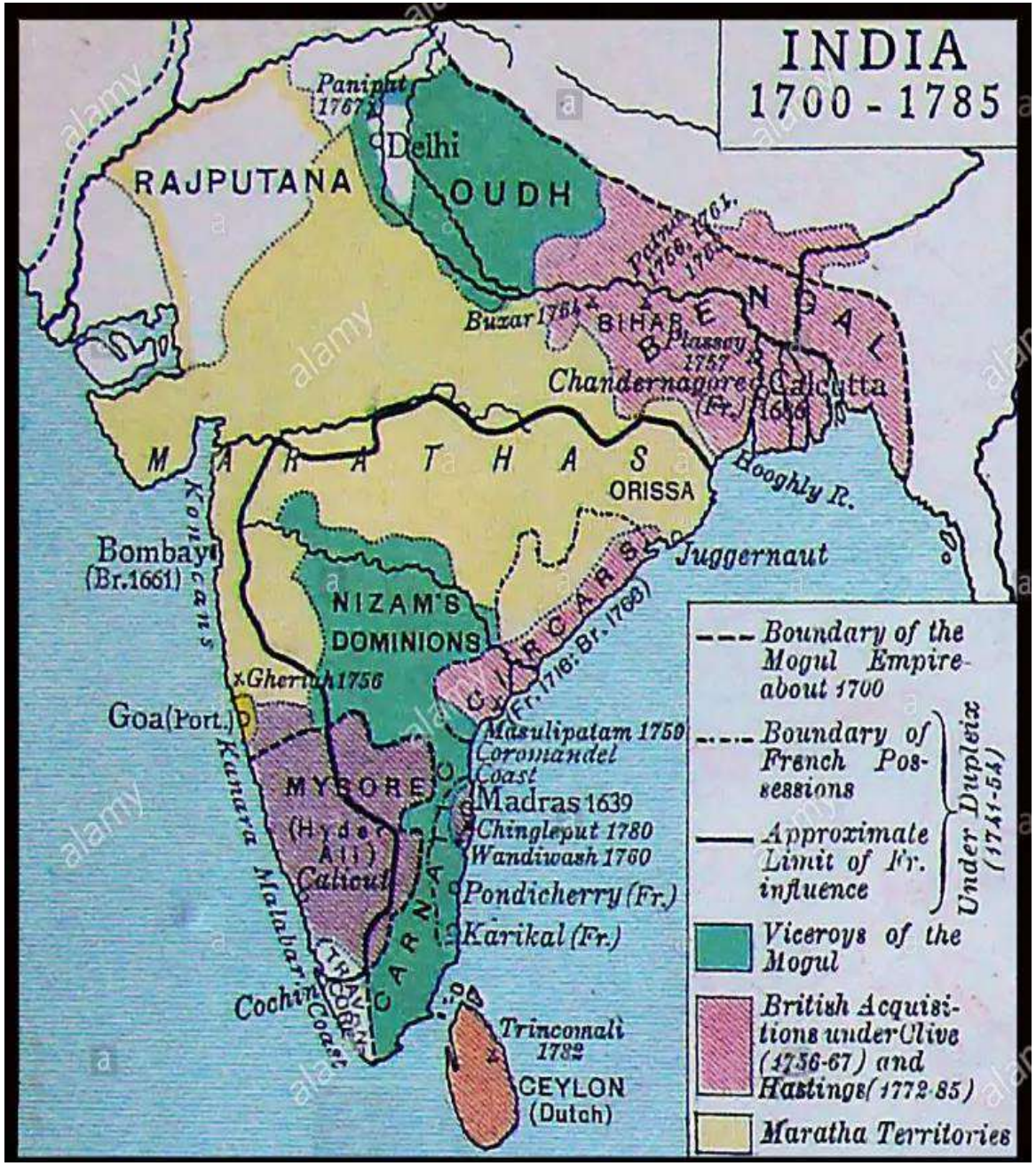

1) Introduction

Bengal (Bengal + Bihar + Orissa) being a Mughal province in medieval India has been very prosperous due to following reasons

- ‡ Highly fertile area - Production of commercial crops like saltpetre, rice, cotton, indigo etc.
- ‡ Excellent navigation- 60% of total production from Asia to Britain comes from Bengal
- ‡ Regional powers such as - Marathas, Jats and frontier wars like Nadirshah, Abdali fought without struggle.
- ‡ Advanced textile trade and artisans.

Due to above reasons, the British made Bengal their center and laid foundation of modern administration and education there, from which the middle class of Bengal took inspiration and prepared the basis of the Indian national movement.

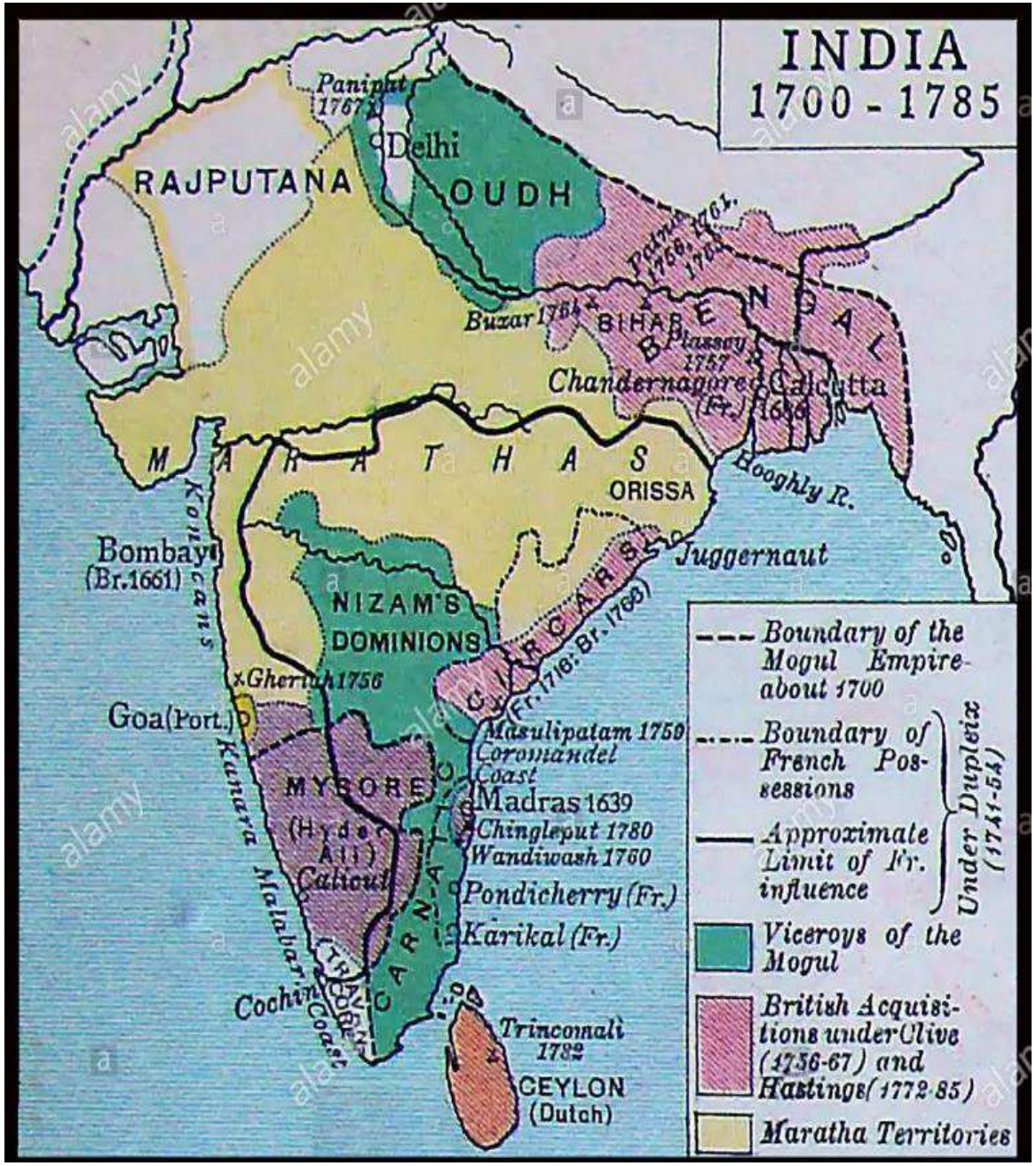

2) बंगाल का प्रशासन

1. बंगाल | Bengal → बंगाल + बिहार + उड़ीसा | Bengal + Bihar + Orissa

2. बंगाल का प्रशासन | Administration of Bengal

मुगल प्रांत | Mughal province → बादशाह औरंगजेब | Emperor Aurangzeb

बंगाल | Bengal

- सूबेदार | Subedar → अजीमुशान | Azimushan
- दीवान | Diwan → मुर्शिदकुली खां | Murshidkuli Khan

फर्रुखसियर ने सूबेदार नियुक्त किया | Farrukhsiyar appointed Subedar

बंगाल में वंशानुगत शासन | Hereditary rule in Bengal

मुर्शीदकुली → अलीवर्दी खान → सिराजुद्दौला → मीर जाफर → मीरकासिम → नज़्मउद्दौला → मुबारक उद्दौला (1770-75)

2) Administration of Bengal

1. Bengal → Bengal + Bihar + Orissa

2. Administration of Bengal → Mughal province → Emperor Aurangzeb → Bengal

Bengal
- Subedar → Azimushan
- Diwan → Murshidkuli Khan → Farrukhsiyar appointed Subedar → Hereditary rule in Bengal

Murshidkuli → Alivardi Khan → Siraj-ud-daula → mir jafar → Mir kasim → Nazm-ud-daula → Mubarak-Ud-daulah (1770-75)

3) बंगाल के प्रमुख नबाव

3.1) मुर्शिदकुली खां

1) मुगल बादशाह (फर्रुखसियर) द्वारा नियुक्त बंगाल का अंतिम सूबेदार तथा बंगाल के स्वतंत्र राज्य का संस्थापक

2) निम्न सुधारों के द्वारा बंगाल को समृद्ध बनाया :-

- ‡ जमीदारों के विद्रोह (गुलाब मोहम्मद, उदयनारायण) को कम करने हेतु राजधानी ढ़ाका से मुर्शिदाबाद स्थान्तरित की
- ‡ छोटे जमीदारों से भूमि लेकर, खालसा भूमि में परिवर्तित किया
- ‡ किसान हेतु ऋण (तकाबी ऋण) व्यवस्था
- ‡ इजारेदारी व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण (ठेके पर भूराजस्व बसूलना)
- ‡ अंग्रेजों के शाही फरमान से समस्या होने के बाद भी विरोध नहीं

NOTE

1727 ई में मुर्शीदकुली खां की मृत्यु के पश्चात उसका दामाद शुजाउद्दीन बंगाल का नवाब बनना। 1739 में शुजाउद्दीन की मृत्यु के बाद पुत्र सरफराज खां बंगाल का नबाव बना

3.2) अलीवर्दी खां

1) सरफराज को 1740 में गिरिया के युद्ध में पराजित करके बंगाल का नबाव बना

2) मुख्य कार्य :-

- ‡ मुगल सम्राट मोहम्मद शाह से पद की स्वीकृति लेने के बाद राजस्व भेजना बन्द किया
- ‡ अंग्रेजों का विरोध नहीं
- ‡ 15 वर्षों तक मराठा संघर्ष में व्यस्त, अंततः मराठों को उड़ीशा दिया

3) Major Nawabs of Bengal

3.1) Murshidkuli Khan

1) Last subedar of Bengal appointed by the Mughal emperor (Farrukhsiyar) and founder of the independent state of Bengal.
2) Made Bengal prosperous by the following reforms:-
   - ‡ To put down the revolt of the zamindars (Gulaab Mohammad, Udayanarayan) capital was shifted from Dhaka to Murshidabad.
   - ‡ Took land from small zamindars, converted it into Khalsa land
   - ‡ Loan System for Farmer (Taqabi Loan)
   - ‡ Strengthening of monopoly system (recovery of land revenue on contract)
   - ‡ Despite the problem with the royal decree of the British, there was no protest

NOTE

After the death of Murshidkuli Khan in 1727, his son-in-law Shujauddin became the Nawab of Bengal. After the death of Shujauddin in 1739, son Sarfaraz Khan became the Nawab of Bengal.

3.2) Alivardi Khan

1) Defeated Sarfaraz in the Battle of Giria in 1740 and became the Nawab of Bengal.
2) Major work:-
   - ‡ After taking the approval of the post from the Mughal Emperor Mohammad Shah, he stopped sending the revenue.
   - ‡ Did not oppose the British
   - ‡ Engaged in Maratha war for 15 years, finally gave Orissa to Marathas

3) प्रमुख कथन :-

- अंग्रेजों की तुलना मधुमक्खी के छत्ते से करते हुए कहा था कि "यदि उन्हें छोड़ दिया जाए तो वो हमें शहद देंगे और यदि उन्हें छेड़ दिया जाए तो बो काट काट कर मार डालेंगे"
- सिराजुद्दौला को यह सलाह दी थी कि "वह अंग्रेजों पर कभी भी विश्वास न करे और जैसे ही मौका मिले उन्हें बंगाल से निकाल दे"
- "इस समय तो धरती पर लगी आग बुझाना भी कठिन है, यदि समुद्र से भी आग की लपटें निकलने लगी तो उन्हें कौन शांत कर सकेगा"

3.3) सिराजुद्दौला (1756-57)

1) अलवर्दी खां के बाद परिवार में पुनः उत्तराधिकारी षड्यंत्र हुआ, जिसका परिणाम

- अलवर्दी खां की छोटी बेटी का बेटा सिराजुद्दौला नबाव बना
- सिराज के शत्रु
  - मौसी घसीटी बेगम
  - राजवल्लभ
  - शौक़तजंग (पूर्णिया का नबाव)
- अन्य विद्रोही
  - मीर जाफर (सेनापति)
  - रायदुर्लभ (दीवान)
  - जगतसेठ (व्यापारी)
  - अमीरचंद (बेंकर)

3) Key statement:-

‡ Comparing the British with a beehive, he said that "if they are untouched, they will give us honey and if they are teased, they will kill by biting".

‡ It was advised to Siraj-ud-Daulah that "never trust the British and drive them out of Bengal as soon as he get a chance".

‡ "At this time it is difficult to put out the fire on the earth, if the flames start coming out of the sea too, then who will be able to pacify them"

3.3) Siraj-ud-Daulah (1756-57)

1) After Alvardi Khan, there was a successor conspiracy in the family, the result of which

- ‡ Siraj-ud-daula, son of Alvardi Khan's younger daughter, became the Nawab.
- ‡ Siraj's Enemies
  - Aunt Ghasiti Begum
  - Rajvallabh
  - Shaukat Jung (Nawab of Purnia)
- ‡ Other rebels
  - Amirchand (banker)
  - Mir Jafar (Commander)
  - Raidurlabh (Diwan)
  - Jagatseth (Businessman)

2) सिराज का कासिम बाजार व फोर्ट विलियम पर आक्रमण (जून 1756)

कारण :-

- सिराज के विरोधियों राजबल्लव व कृष्ण बल्लभ को अंग्रेजों द्वारा शरण
- फर्रुखसियर द्वारा 1717 में दिए गए दस्तक का अंग्रेजों द्वारा दुरुपयोग
- सिराज की आज्ञा के बिना अंग्रेजों द्वारा कलकत्ता की किलेबंदी

प्रभाव :-

- 4 जून 1756 नवाब द्वारा कासिम बाजार की अंग्रेजी बस्ती पर हमला
- 16 जून 1756 नवाब का फोर्ट विलियम पर आक्रमण तथा गवर्नर ड्रेक व अन्य अंग्रेज फुल्टा द्वीप भागे
- 20 जून 1756 कलकत्ता का नाम अलीनगर रखा
- हॉलवेल द्वारा काल कोठरी की घटना का वर्णन
- अक्टूबर 1756 सिराज ने शौक़तजंग को मनिहारी के युद्ध में पराजित किया

अंग्रेजों का पलटवार :-

- मद्रास से एडमिरल वाटसन व क्लाइव द्वारा कलकत्ता पर आक्रमण व पुनः अधिकार
- परिणाम : अलीनगर की संधि (9फरवरी 1757)

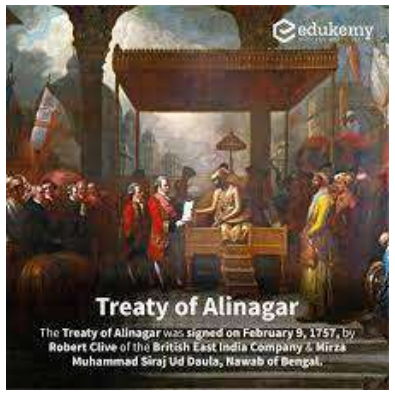

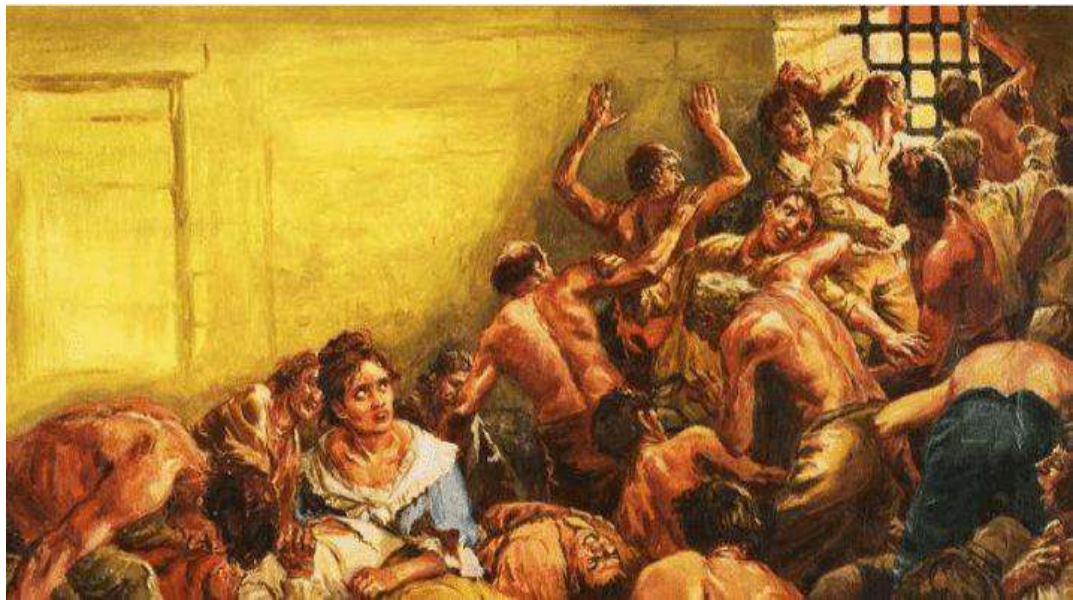

2) Siraj's attack on Qasim Bazar and Fort William (June 1756)

Reason :-

- Siraj's opponents Rajballav and Krishna Ballabh were given refuge by the British.
- Abuse of Dastak given by Farrukhsiyar in 1717 by British
- Fortification of Calcutta by British without permission of Siraj

Effect :-

- 4 June 1756 Nawab attacked the English settlement of Qasim Bazar
- 16 June 1756 Nawab's attack on Fort William and Governor Drake and other Britishers fled to Fulta Island
- 20 June 1756 Calcutta renamed as Alinagar
- Description of the Black Hole by Holwell
- On October 1756 Siraj defeated Shaukatjung at the Battle of Manihari

British counterattack:

- Invasion and recapture of Calcutta by Admiral Watson and Clive from Madras
- Result : Treaty of Alinagar (9 February 1757)

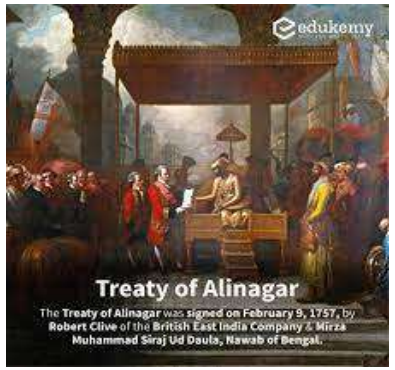

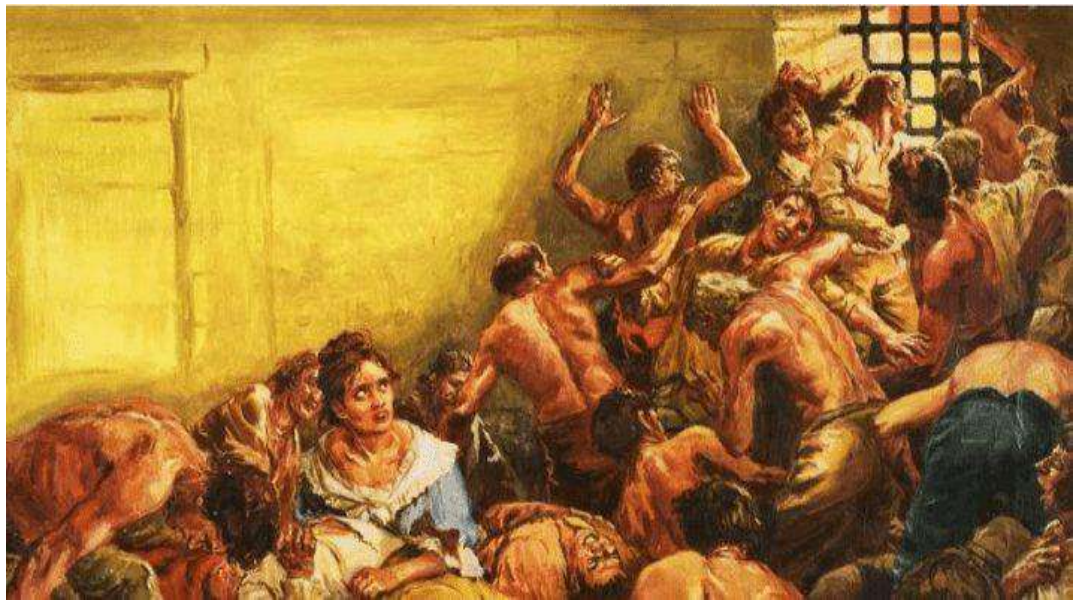

3) अलीनगर की संधि (9 फरवरी 1757)

- ‡ पक्ष - रॉबर्ट क्लाइव (अंग्रेज) व बंगाल नवाब सिराजुद्दौला
- ‡ कारण - अंग्रेजों द्वारा कलकत्ता पर पुनः अधिकार
- ‡ मुख्य प्रावधान -
  - “दस्तक” प्रयोग की पुनः अनुमति
  - अंग्रेज कलकत्ता की किलेबंदी अपनी इच्छा अनुसार करेंगे
  - अंग्रेजों को अपने सिक्के ढालने का अधिकार होगा
  - नवाब ने क्षतिपूर्ति के रूप में ₹3 लाख अंग्रेजों को दिए

NOTE

काल कोठरी की दुर्घटना का विवरण मि0 हॉलवेल ने 'एलाइव द वन्डर' (Alive the wondrs) नामक पुस्तक में दिया था। उसके अनुसार 146 अंग्रेज कैदियों को नवाब के आदेशानुसार 18 फीट लम्बी और 14 फीट 10 इंच चौड़ी एक अँधेरी कोठरी में 20 जून, 1756 ई0 की रात को बन्द कर दिया गया। जून की गर्मी के कारण 21 जून, 1756 ई0 की सुबह उनमें से 123 व्यक्ति दम घुटने से मर गये और केवल 23 व्यक्ति शेष बचे जिन्हें नवाब ने बाद में अंग्रेजों को वापस कर दिया

परंतु आधुनिक इतिहासकार इस घटना की सत्यता में विश्वास नहीं करते, अंग्रेजों ने इस घटना को बहुत बड़ा चढ़ाकर बताया है संभवत उनका एकमात्र लक्ष्य सिराजुद्दौला को एक क्रूर नवाब के रूप में सिद्ध करने का था

3) Treaty of Alinagar (9 February 1757)

- ‡ Side - Robert Clive (English) and Bengal Nawab Sirajuddaula
- ‡ Cause - British recapture of Calcutta
- ‡ Main Provisions -
  - Re-permission to use “Dastak“
  - The British will do the fortifications of Calcutta as per their wish.
  - The British will have the right to mint their own coins
  - Nawab gave ₹ 3 lakh to the British as compensation

NOTE

The details of the black hole tragedy were given by Mr. Holwell in the book 'Alive the wonders'. According to him, 146 British prisoners were imprisoned on the night of June 20, 1756, in a 18 feet long and 14 feet 10 inches wide dark cell on the orders of the Nawab. Due to the June heat, on the morning of June 21, 1756, 123 of them died of suffocation and only 23 remained, who were later returned to the British by the Nawab.

But modern historians do not believe in the authenticity of this incident, the British have told this incident in a big way, probably their only goal was to prove Siraj-ud-daula as a cruel Nawab.

4) अंग्रेजों का षड्यंत्र

1) रॉबर्ट क्लाइव ने अलीनगर की संधि के बाद भी बंगाल पर अंग्रेजी आधिपत्य स्थापित करने हेतु नवाब के दरबारियों से संधि करके सिराज के विरुद्ध षड्यंत्र रचा
2) अमीचंद ने क्लाइव से नवाब के खजाने से धन का 50% और 30लाख रूपए कमीशन के रूप में लेना तय किया
3) क्लाइव अमीचंद को इतना अधिक धन नहीं देना चाहता था अतः उसने मीरजाफर से होने वाली संधि के दो संधि पत्र एक वास्तविक तथा दूसरा जाली तैयार कराया सफेद कागज पर लिखा हुआ संधि पत्र वास्तविक तथा लाल कागज पर लिखा हुआ पत्र जाली था।
4) वास्तविक सन्धि-पत्र में मीरजाफर ने अंग्रेजों को निम्नलिखित सुविधाएँ देने का वचन दिया :-

- ‡ कम्पनी को हर प्रकार की व्यापारिक सुविधा
- ‡ कलकत्ता पर वह उनका पूरा अधिकार मान लेगा।
- ‡ ढाका और कासिमबाजार में दुर्ग-निर्माण का अधिकार
- ‡ कम्पनी को कलकत्ता के पास 24 परगनों की जमींदारी
- ‡ क्लाइव और कम्पनी के अन्य पदाधिकारियों को पर्याप्त धन देगा।

के0 एम0 पणिक्कर ने इस संधि के विषय में कहा है कि *"यह ऐसा सौदा था, जिसमें बंगाल के सेठों तथा मीरजाफर ने नवाब और नवाबी को अंग्रेजों के हाथों बेंच दिया।*

4) Conspiracy of the British

1) Robert Clive conspired against Siraj by making a treaty with the Nawab's courtiers to establish British rule over Bengal even after the Treaty of Alinagar.
2) Amichand decided to take 50% of the money from the Nawab's treasury and 30 lakhs as commission from Clive.
3) Clive did not want to give so much money to Amichand, so he got two treaty papers, for the treaty to be signed with Mirzafar, one genuine and the other forged, the letter written on white paper was real and the letter written on red paper was forged.
4) In the original treaty, Mir Jafar promised to provide the following facilities to the British:

- ‡ All kinds of trade facilities to the company
- ‡ He would accept their full authority over Calcutta.
- ‡ Autority of fortifications in Dhaka and Kasim bazar
- ‡ Company got Zamindari of 24 parganas near Calcutta
- ‡ Sufficient money to Clive and other officials of the company.

KM Panikkar has said about this treaty that

"It was such a deal in which the Seths of Bengal and Mir Jafar sold the Nawab and Nawabi to the British."